आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 26.03.2024
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- लोकसभा चुनाव के लिए गढ़वाल व टिहरी सीट से भाजपा प्रत्याशियों ने किया नामांकन। कांग्रेस ने भी टिहरी सीट से नामांकन पत्र भरकर दावेदारी पेश की।
- हरिद्वार लोकसभा सीट से भावना पांडे के बसपा छोड़ने के बाद पार्टी ने मौलाना जमील अहमद काजमी को प्रत्याशी घोषित किया।
- लोक सभा चुनाव के लिए नामांकन का कल आखिरी दिन है।
- केदारनाथ धाम में पुनर्निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर एक हजार की गई।

नामांकन

लोकसभा चुनाव के लिए आज टिहरी सीट से भाजपा व कांग्रेस और गढ़वाल सीट से भाजपा प्रत्याशी ने अपना नामांकन भरा। टिहरी संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार मालाराज्य लक्ष्मीशाह ने आज भाजपा नेता व पार्टी कार्यकताओं की उपस्थिति में देहरादून में अपना नामांकन दर्ज किया। इससे पहले उन्होंने शक्ति प्रदर्शन के लिए रोड शो भी किया। वही, टिहरी संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस के जोत सिंह गुनसोला ने भी कांग्रेस समर्थकों की उपस्थिति में अपना नामांकन भरा। उधर, गढ़वाल सीट के लिए भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी ने अपना नामांकन भरा। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता स्मृति ईरानी, सहित अन्य भाजपा नेता व पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। वहीं, हरिद्वार संसदीय सीट से भाजपा के उम्मीदवार त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने आज कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपना नामांकन दाखिल किया। उन्होंने डिजिटल माध्यम से 23 मार्च को ऑनलाइन नामांकन किया था, जिसके बाद आज उन्होंने चार सेट में नामांकन दाखिल किया। कल नामांकन की अंतिम तिथि है, ऐसे में शेष उम्मीदवार कल ही अपना नामांकन दर्ज करेंगे।

संबोधन

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों ने नामांकन के बाद जनसभांए की। पौड़ी गढ़वाल में आयोजित जनसभा में गढ़वाल सीट से भाजपा उम्मीदवार अनिल बलूनी ने कहा कि वे क्षेत्र के विकास के लिए पूरे समर्पण के साथ काम करेंगे।

वहीं, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आमंत्रण स्वीकार न करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान कांग्रेस पर हमला बोला।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी इस दौरान अनिल बलूनी के समर्थन में क्षेत्रीय जनता से मतदान करने की अपील की। उधर, टिहरी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार जोत सिंह गुनसोला ने कहा कि टिहरी लोकसभा सीट से उनको अपार जन समर्थन मिल रहा है। उन्होंने टिहरी सीट पर चुनाव को राजा और प्रजा के बीच की लड़ाई बताया।

बसपा उम्मीदवार भावना पाण्डेय इस्तीफा

हरिद्वार लोकसभा सीट से बसपा उम्मीदवार भावना पाण्डेय ने चुनावी मैदान छोड़ दिया है। उनके चुनाव में हिस्सा न लेने के बाद बसपा, हरिद्वार सीट से नई रणनीति बनाई है। बसपा प्रदेश अध्यक्ष शीश पाल ने बताया कि अब हरिद्वार लोकसभा सीट से उत्तर प्रदेश के मुज्जफरनगर की मीरापुर विधानसभा सीट से विधायक रहे मौलाना जमील अहमद काजमी उनके पार्टी उम्मीदवार होंगे। इधर, भावना पांडेय ने कहा कि उत्तराखण्ड में बसपा पार्टी जमीनी स्तर पर कमजोर है और इस कारण से उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि अब वे चुनाव नहीं लड़ेंगी और भाजपा उम्मीदवार त्रिवेन्द्र सिंह रावत को अपना समर्थन देंगी।

चुनाव प्रतिशत बढाने की तैयारी

रुद्रप्रयाग जिले में लोकसभा चुनाव में इस बार जिला निर्वाचन विभाग ने सभी 362 पोलिंग बूथों पर 70 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य रखा है। साथ ही वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में जिन 39 पोलिंग बूथों पर 50 फीसदी से भी कम वोट पड़े थे, वहां ज्यादा से ज्यादा मतदान के लिए लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। उधर, स्वीप दल भी जिले में मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी धीरज कुमार ने बताया कि सूचना तंत्र के अलग–अलग माध्यमों से भी मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया रहा है।

लोकसभा चुनाव– उत्तराखण्ड

प्रदेश की पांच लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा। मतदान केंद्रों तक जनता की पहुंच आसान बनाने के लिए राज्य में कुल 11 हजार 729 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। उत्तरकाशी और पिथौरागढ़ जिले के 12 दुर्गम मतदान केंद्रों के लिए मतदान तिथि से तीन दिन पहले ही पोलिंग पार्टियां रवाना हो जांएगी। प्रदेश की पांच लोकसभा सीट के लिए 83 लाख से ज्यादा मतदाता, लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों का भाग्य तय करेंगे। इस बार, एक लाख 45 हजार युवा मतदाता भी पहली बार चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। वहीं, अभी तक सभी पांच लोकसभा सीटों से चुनाव में भागीदारी करने के लिए विभिन्न पार्टियों सहित 19 निर्दलीय उम्मीदवार अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। हालांकि अभी सभी उम्मीदवारों ने अपने नामांकन नहीं करवाएं हैं। कल नामांकन समाप्त होने के बाद चुनाव के लिए कुल उम्मीदवारों की स्पष्ट तस्वीर सामने आ सकेगी। इसके बाद 28 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। तीस मार्च तक नामांकन वापस लिए जा सकते हैं।

मौसम

एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग जलवायु केन्द्र के पूर्वानुमान के अनुसार जुलाई से सितंबर तक जब मानसून चरम पर होगा तब भारत में औसत से अधिक वर्षा होने की संभावना है। इसमें अप्रैल से जून और जुलाई से सितंबर के लिए दो अलग–अलग आंकलन किये गये हैं। इस बीच, प्रदेश में आज मौसम आमतौर पर साफ बना रहा। हालांकि मौसम विभाग ने गुरुवार से शनिवार तक प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में हल्की बारिश और कहीं–कहीं तेज बौछारें पड़ने का अनुमान जताया है।

केदारनाथ पुनर्निर्माण

केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण कार्यों में मौसम साफ होने के साथ ही तेजी आई है। धाम में चल रहे निर्माण कार्यों के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर एक हजार कर दी गई है। इस वर्ष दूसरे चरण में निर्माणाधीन कार्य पूरे किए जाने हैं। पुनर्निर्माण कार्यों की प्रधानमंत्री कार्यालय से लगातार निगरानी भी हो रही है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि कार्यदायी संस्था हर दिन निर्माण प्रगति की रिपोर्ट प्रशासन को उपलब्ध करवा रहा है। दूसरे चरण में यात्रा नियंत्रण व आदेश केंद्र, अस्पताल, पुलिस थाना, प्रशासनिक भवन, यात्री सुविधा, चिकित्सा केंद्र, मंदाकिनी नदी किनारे आस्था पथ पर दुकानों का निर्माण, श्री बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के आवास, धर्मशाला आदि पर काम किया जा रहा है। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी भी निर्माण कार्यों की लगातार समीक्षा कर रही हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप इस वर्ष 17 निर्माण कार्य पूरे किए जाएंगे।

चिपको आंदोलन

आज चिपको आंदोलन की 51वीं वर्षगांठ है। 1970 के दशक में वनों की कटाई को रोकने के लिए चमोली जिले से शुरू हुआ यह आंदोलन, अंहिसक और प्रभावी आन्दोलनों में से एक था। इस आंदोलन को देश भर में मशहूर करने वाली घटना 26 मार्च 1974 को चमोली के रैणी गांव से हुई, जब गौरा देवी के नेतृत्व में 27 महिलांए पेड़ों को कटाई बचाने के लिए उनसे चिपक गई थी। इस आंदोलन का मकसद व्यवसाय के लिए हो रही वनों की कटाई को रोकना था। चमोली से शुरू हुआ यह आंदोलन एक दशक के भीतर पूरे उत्तराखण्ड में फैल गया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चिपको आंदोलन की वर्षगांठ पर वनों के संरक्षण और संवर्धन के प्रति लोगों को जागरुक करते हुए महान आंदोलनकारियों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का आह्वान किया है।